



केविप्ट सलैग हे

न्यायालय भू-प्रबंध अधिकारी व पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी कोटा राज0

- 1- दुर्गासिंह पिता चैनसिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला, रायपुर।
- 2- रूपसिंह पिता बाल सिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला, रायपुर।
- 3- बजरंगसिंह पिता कल्याणसिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला, रायपुर।
- 4- भारतसिंह पिता प्रहलादसिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला, रायपुर।
- 5- नारायणसिंह पिता मोतीसिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला, रायपुर।
- 6- भैरूसिंह पिता भगवान सिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला, रायपुर।
- 7- राजेन्द्रसिंह पिता गजराज सिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला, रायपुर।
- 8- गजराज सिंह पिता शिवराजसिंह जाति- राजपूत निवासी-सोयला रायपुर।
- 9- दीपसिंह पिता जोधसिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला, रायपुर।

—अपीलान्ट

—बनाम—

- 1- भवंरसिंह पिता हनुमतसिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला, रायपुर।
- 2- मानसिंह पिता हनुमतसिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला, रायपुर।
- 3- रघुवीर सिंह पिता हनुमतसिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला, रायपुर।
- 4- विक्रमसिंह पिता हनुमतसिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला, रायपुर।
- 5- रेशमकुंवर पत्नी नुमत सिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला, जयपुर।
- 6- अनोखवाई पत्नी मनोहर सिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला रायपुर।
- 7- गोपालसिंह पिता मनोहरसिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला जयपुर।
- 8- बजरंगसिंह पिता मनोहरसिंह जाति-राजपूत निवासी-सोयला रायपुर।
- 9- सज्जनसिंह पिता राणजीत जाति-राजपूत निवासी-सोयला तहसील लाडपुरा
- 10- राजस्थान राज्य द्वारा तहसीलदार रायपुर

—रेस्पोंडेंट

अपील अन्तर्गत धारा-225 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम बनाराजगी निर्णय
दिनांक-07.07.2025 न्यायालय उपखण्ड अधिकारी पिडावा जिला झालावाड
प्रकरण संख्या-81/2024 बउनवान दुर्गा सिंह व अन्य बनाम भंवरसिंह व अन्य

मान्यवर,

अपीलान्त निम्न निवेदन करते हैं कि:-

1- यह कि निर्णय जैर अपील न्याय एवं संचिका मे सिद्धी प्राप्त तथ्यों के सर्वथा विपरीत होने से निरस्त किये जाने योग्य है।

2- यह कि अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष यह भलीभांति स्पष्ट था कि रेस्पो0 क्रम-1 लगायत 9 के नाम दर्ज वर्तमान खसरा नम्बर-344 की रकबा 0.2276 हे0 खसरा नम्बर-1045/344 की रकबा 0.1012 हे0 खसरा नम्बर-1033/344 की रकबा 0.44 हे0 आराजी वाके-ग्राम सोयला पटवार हल्का सोयला तहसील रायपुर जिला झालावाड का मूल खसरा नम्बर-344 की रकबा 1 बीघा 19 बिस्वा अर्थात 0.4932 हे0 आराजी है उक्त खसरा नम्बर'-344 सेटलमेन्ट पूर्व गत खसरा नम्बर-352 मीन नम्बर से कायम किये गये हैं। उक्त आराजी प्रारम्भ से ही राजपूत समाज के शमशान के उपयोग उपभोग मे आ रही है किन्तु सेटलमेन्ट अधिकारियों से मिली भगत करते हुये उक्त आराजी को केसर सिंह पिता विभन सिंह ने अपनी खातेदारी मे दर्ज करवा लिया। उक्त इन्द्राज पूर्णतया त्रुटिपूर्ण है जबकि उक्त भूमि पर राजपूत समाज का शमशान है। मौके पर भी उक्त भूमि शमशान के काम मे आ रही है। मौके पर राजपूत समाज की पूर्वजो की छतरीयां भी बनी हुई है जिसके कारण रेस्पो0 को उक्त खसरा नम्बर-344 की भूमि पर राजपूत समाज के लोगो को मुर्दा जलाने से रोकने और शमशान की भूमि पर आस पास जाली बनाकर बंद